

Title: Decline in agricultural growth in the 10th Five Year Plan.

श्री लक्ष्मण सिंह (राजगढ़) : धन्यवाद, उपाध्यक्ष महोदय। इस सरकार ने दसवीं पंचवर्षीय योजना में चार प्रतिशत कृषि की विकास दर निर्धारित की थी। मिड टर्म अग्रोजल रिपोर्ट में केवल 1.1 प्रतिशत विकास दर बताई गई है और यह आशंका व्यक्त की गई है कि चार प्रतिशत विकास दर हमारी कभी नहीं हो सकती। उपाध्यक्ष महोदय, अभी प्रधानमंत्री जी पंजाब के बारे में कह रहे थे, वहां के किसानों के बारे में कह रहे थे और बता रहे थे कि उन्हें कृषि का बहुत ध्यान है। मैं उसी पंजाब के बारे में कह रहा हूँ जहां से प्रधानमंत्री जी आते हैं और जो एक अग्रणी कृषि प्रदेश रहा है। उसकी आज क्या हालत है? महोदय, मैं यह फार्मर्स फोरम मैगजीन से कोट कर रहा हूँ :

"Village after village in Punjab is up for sale. Rural indebtedness has reached such alarming proportions that the entire communities are forced to 'distress sale' their lands.

Bhatal Kulan, a village in Sangrur district, comprising around thousand acres of land is up for sale. Local farmers heavy indebted to moneylenders and corporate banks are selling their landholdings at a pittance."

महोदय, ऐसा इसलिए हो रहा है क्योंकि छोटे और मझोले किसानों का ध्यान नहीं रखा जा रहा है। इस देश के 78 प्रतिशत किसान छोटे और मझोले किसान हैं। जब वे बैंक से ऋण लेने जाते हैं, तो उनको मार्जिन मनी जमा कराने के लिए कहा जाता है और गारन्टी लाने के लिए कहा जाता है, जबकि वे दोनों नहीं दे सकते हैं, इसलिए आज छोटा और मझोला किसान भूख की कगार पर खड़ा है।

महोदय, मैं आपके माध्यम से सरकार से कहना चाहूंगा कि छोटे और मझोले किसानों से गारन्टी और मार्जिन मनी न जमा कराई जाए और उनकी खड़ी फसल को ही सिक््योरिटी मानकर 25000 रूपए तक का ऋण दिया जाए। इससे आज जो हालत छोटे और मझोले किसानों की है, वह दुर्दशा नहीं होगी।

19.28 hrs. (Shri Varkala Radhakrishnan *in the Chair*)

महोदय, हमारा देश फल और सब्जियों के उत्पादन में विश्व में दूसरे स्थान पर है, लेकिन 50 हजार रूपए की फल और सब्जियां हमारे देश में प्रतिवर्ष सड़ जाती हैं क्योंकि हमारे पास खाद्य प्रसंस्करण उद्योग नहीं हैं। हमारे देश में केवल 7 प्रतिशत खाद्य प्रसंस्करण के उद्योग हैं जो हमारे एग्रीकल्चरल वैल्यू एडिशन के काम से सम्बद्ध हैं। लेकिन यूरोपीय देशों में वे 100 प्रतिशत खाद्य प्रसंस्करण के अंडर लाकर फलों और सब्जियों को बर्बादी से बचाते हैं। मैं आपके माध्यम से सरकार से कहना चाहूंगा कि इस ओर ध्यान दें और किसानों की जो चिन्ता बता रहे हैं, अगर वाकई इनको चिन्ता है तो इन सब बातों पर ध्यान देकर कुछ ठोस काम करके दिखाएं। धन्यवाद।